दैनिक चैतन्य लोक इन्दौर 28 सितंबर 2019

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्वविद्यालय में 4था आर्यभट्ट मेमोरियल ओरेशन के अवसर पर व्याख्यान

वैज्ञानिकों के महान योगदान को रेखांकित किया

चैतन्य लोक » इन्दौर
dainikchaitanyalok.com

श्री वैष्णव विद्यापीठ विश्व विद्यालय में 4वें आर्यभट्ट मेमोरियल विश्वविद्यालय के सभागार में शुक्रवार 27 सितंबर को आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पद्म भूषण प्रो. पद्मनाभन बलराम, प्रख्यात भारतीय प्रतिष्ठित वैज्ञानिक और भारतीय बायोकेमिस्ट और भारतीय विज्ञान संस्थान, बैंगलोर के पूर्व निदेशक थे। मुख्य अतिथि पद्म भूषण प्रो- पद्मनाभन बलराम का स्वागत विश्वविद्यालय के कुलाधिपति पुरुषोत्तमदास पसारी ने किया।

स्वागत भाषण में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. उपिंदर धर ने विज्ञान और भारतीय वैज्ञानिकों के महान योगदान को रेखांकित किया। उन्होंने ओरेशन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला तथा छात्रों का ध्यान आकर्षित करने और विद्वानों आर्यभट्ट के योगदान को जानने तथा उन्होंने आर्यभट्ट के योगदान पर प्रकाश डाला। उन्होंने अध्यायों के चार प्रभागों के बारे में भी बताया जैसे कि गीताकापद (13 छंद), गणितपद (33 छंद), कालक्रियापाद (25 श्लोक) और गोलपाद (50 छंद) और अंतरिक्ष में ग्रहों की स्थिति के बारे में उनके योगदान, सौर मंडल की प्रकृति और सूर्य और चंद्रमा के ग्रहण के कारण। गणितीय संदर्भ में आर्यभटीय में अंकगणित, बीजगणित, विमान त्रिकोणमिति और गोलाकार त्रिकोणमिति शामिल हैं और आधुनिक खगोल विज्ञान और गणित के लिए एक बहुत प्रभावशाली था। आयोजन के समन्वयक डॉ. उत्तम शर्मा ने पद्मनाभन बलराम साइटेशन पढ़ा, जिसमें जैव रसायन के क्षेत्र में उनके योगदान और उपलब्धियों पर प्रकाश डाला गया। पद्म भूषण प्रो. पद्मनाभन बलराम द्वारा 4वें आर्यभट्ट मेमोरियल ओरेशन का विषय 'विज्ञान सार्वजनिक समझ की आवश्यकता है' पर, पद्मनाभन बालाराम ने कल्पना की क्षमता पर जोर दिया, लेकिन तथ्यों की नहीं बल्कि तथ्यों की समझ पर जोर दिया। उन्होंने संचार की भूमिका, विज्ञान और विज्ञान की सार्वजनिक समझ पर जोर दिया। उन्होंने विभिन्न वैज्ञानिकों के योगदान, और व्यक्तियों की सोचने की क्षमता, और विज्ञान करने के तरीकों पर प्रकाश डाला। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तत्व की कमी और रीसाइक्लिंग को एक चुनौती के रूप बताया। उन्होंने विज्ञान चिकित्सा से जुड़े विवादास्पद तथ्यों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अंत में छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब दिया। धन्यवाद के शब्द सचिव वैष्णव ट्रस्ट कमलनारायण भूरिया द्वारा दिया गया।